भाषा विज्ञान – स्वरूप एवं व्याप्ति

(एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर)

निर्मात्री – डॉ0 क्षमा मिश्रा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी विभाग
श्री जे0एन0पी0जी0कॉलेज लखनऊ

भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मत

- भाषा विज्ञान से तात्पर्य भाषा के व्यवस्थित अध्ययन से है ।
- व्हीटने के अनुसार – "मनुष्यों द्वारा बोली जाने वाली भाषा ,हस्तलिखित अभिलेखों में सुरक्षित भाषा या ताम्रपत्रों एवं शिलालेखों में सुरक्षित भाषा सभी का अध्ययन भाषा विज्ञान का विषय है । "
- ग्लीसन के अनुसार– "भाषा विज्ञान वह विशिष्ट शास्त्र है जिसमें भाषाओं का अध्ययन उसकी आंतरिक संरचना की दृष्टि से किया जाता है ।"
- डॉ0 श्यामसुंदरदास के अनुसार – "भाषा विज्ञान उस शास्त्र को कहते है जिसमें भाषा मात्र के भिन्न भिन्न अंगों और स्वरूपों का विवेचन तथा निरूपण किया जाता है । "

क्रमशः....

- डॉ0 बाबूराम सक्सेना के अनुसार – भाषा तत्वों का अध्ययन भाषा विज्ञान का विषय है ।
- डॉ0उदयनारायण तिवारी के अनुसार – भाषाशास्त्र का विषय भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत करना है ।
- डॉ0 भोलानाथ तिवारी के अनुसार– – भाषा विज्ञान वह विज्ञान है जिसमें भाषा विशिष्ट कई और सामान्य का समकालिक , ऐतिहासिक ,तुलनात्मक और प्रायोगिक दृष्टि से अध्ययन और तद्विषयक सिद्धान्तों का निर्धारण किया जाता है ।

भाषा विज्ञान संबंधी परिभाषाओं के सार रूप में कह सकते हैं कि

उपरोक्त सभी प्रमुख परिभाषाओं के सम्यक् विवेचन पर हम डॉ0 श्यामसुंदरदास की परिभाषा को अधिक विशद् व व्यवस्थित पाते हैं क्योंकि इसमें भाषा के वैज्ञानिक दृष्टि से विवेचन ,अध्ययन एवं अनुशीलन को प्रधानता दी गयी है ।

निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं कि "जब किसी भाषाविद् द्वारा किसी भाषा के रूपों का विश्वस्त एवं व्यवस्थित अध्ययन वैज्ञानिक विधि से किया जाता है तो हम उसे भाषा विज्ञान की संज्ञा से अभिहित करते हैं ।"

भाषा विज्ञान की एक सम्यक परिभाषा

"भाषाविज्ञान भाषा के अध्ययन की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत भाषा के उद्भव , स्वरूप ,तथा विकास का वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति से कमबद्ध तथा सुसंगठित विवेचन होता है । "

भाषा विज्ञान का स्वरूप

- भाषा विज्ञान के स्वरूप का निर्धारण करने वाले पाँच प्रमुख कारक हैं जो निम्नवत् हैं –
- मानव मुखोच्चारित भाषा का विवेचन ।
- यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की व्यवस्था का होना ।
- भाषा की आधारगत व्यवस्था (यथा–ध्वनि, शब्द,पद,वाक्य व अर्थ आदि)
- भाषा का सामाजिक आधार ।

भाषाविज्ञान के क्षेत्र

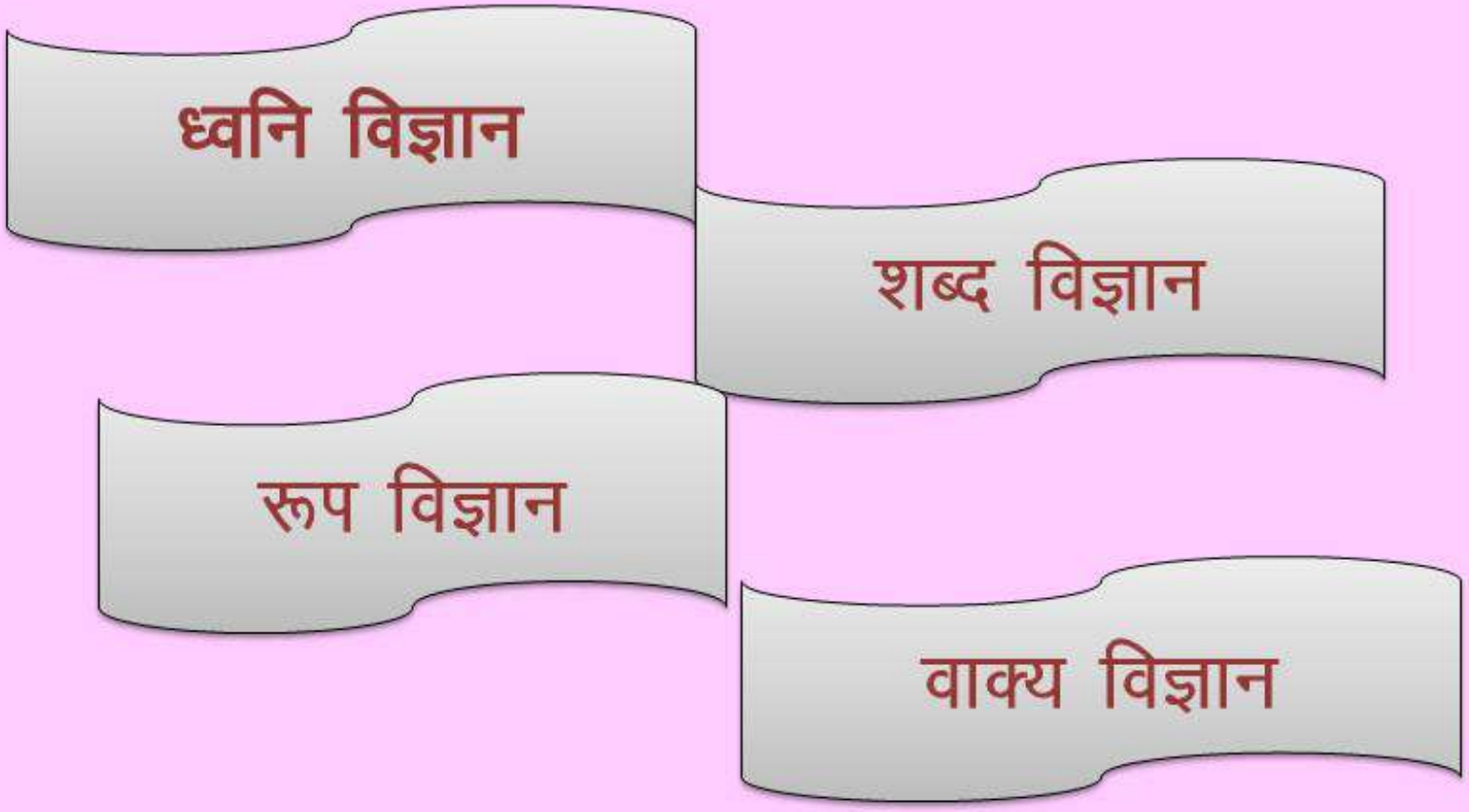

भाषा विज्ञान एवं अन्य विज्ञानों का सह संबंध

- भाषा विज्ञान एवं व्याकरण
- भाषा विज्ञान एवं साहित्य
- भाषा विज्ञान एवं मनोविज्ञान
- भाषा विज्ञान एवं शरीर विज्ञान
- भाषा विज्ञान एवं भूगोल
- इतिहास एवं भाषा विज्ञान
- भौतिकशास्त्र एवं भाषा विज्ञान
- भाषा विज्ञान एवं मानव शास्त्र

धन्यवाद